आ बता दें तुझे हम कैसे जिया जाता है...

डॉ. विजय सुखवानी
लेखक, मोटिवेशनल स्पीकर
v1sukhwani@gmail.com

वर्ष था 1958, बिमल रॉय , गुरुदत्त और फिल्म फेयर द्वारा मिलकर आयोजित की गई टेलेंट कांटेस्ट में फगवाड़ा से बम्बई आया एक जाट युवक भाग लेता है और सौभाग्य से चुन लिया जाता है परन्तु उम्मीद के विपरीत उसे फिल्मों में कोईअवसर नहीं मिलता और वो युवक निराश होकर गांव लौट जाता है, एक बार फिर किस्मत आजमाने बम्बई आता है और संघर्ष करते हुए उसकी मुलाक़ात एक फिल्म बनाने के लिये संघर्ष करते हुए युवक से हुई जिसका नाम था अर्जुन हिंगोरानी, जो अपनी पहली ही फ़िल्म बना रहे थे 'दिल भी तेरा हम भी तेरे'.

हिंगोरानी ने उस युवक को अपनी इस फ़िल्म में अवसर दिया, फ़िल्म चली भी मगर उस युवक को स्थापित न कर सकी, यह सफलता की ओर उसका पहला मगर छोटा कदम था, बाद में तो वो युवक हिंदी फिल्मों के सबसे बड़े सितारों में शुमार किया गया और हिंदी सिनेमा का हीमेन कहलाया. उस युवक का नाम था धर्मेंद्र सिंह देओल, जिन्हें हम धर्मेंद्र के नाम से जानते हैं, जिन्हें इस दुनिया से जाने के बाद भी करोड़ों दिलों पर बादशाहत हासिल है और हिंदी सिनेमा के सितारों की क़ोई भी चर्चा उनके जिक्र के बगैर अधूरी ही कहलाएगी. 'दिल भी तेरा हम भी तेरे' के बाद बिमल रॉय ने उन्हें बंदिनी में अवसर दिया लेकिन बंदिनी से पहले आयी हिंगोरानी की एक और धर्मेंद्र अभिनीत फ़िल्म 'शोला और शबनम' जो हिट रही और उसके बाद तो जे. ओमप्रकाश की 'आई मिलन की बेला ', चेतन आनंद की 'हक़ीक़त ', ओ पी रलहन की 'फूल और पत्थर ', रामानंद सागर की 'आंखे ', मोहन कुमार की 'आपकी परछाईयाँ' और 'अनपढ़ ', मोहन सहगल की 'देवर' आदि फिल्मों से धर्मेंद्र फ़िल्मी दुनिया में पूरी तरह से छा गये.

दोस्तों, बहुमुखी प्रतिभा के धनी धर्मेन्द्र हिन्दी फ़िल्म जगत के उन महान सितारों में से थे जिन्होंने अपने संघर्ष, प्रतिभा और सादगी से दर्शकों के दिलों में अमिट छाप छोड़ी . धर्मेन्द्र का फ़िल्मी सफ़र केवल एक्शन और स्टाइल तक सीमित नहीं रहा, बल्कि रोमांस, कॉमेडी और भावनात्मक अभिनय में भी उन्होंने अपनी

अलविदा ग्रेट ही मेन

समान प्रतिभा साबित की और हर भूमिका को समान कामयाबी के साथ निभाया. जहाँ एक ओर 'अनुपमा', 'सत्यकाम', गुड्डी, 'बहारों की मंज़िल' और 'बंदिनी', 'देवर' जैसी फ़िल्में उनकी संवेदनशीलता और सहज अभिनय के लिये जानी जाती हैं वहीं 'शोले ', 'पत्थर और पायल ', 'चरस ', 'लोफर' 'धर्मवीर ', 'मेरा गाँव मेरा देश', जैसी फ़िल्मों ने उन्हें एक्शन हीरो के रूप में स्थापित किया. हिंदी सिनेमा की सबसे लोकप्रिय फ़िल्म 'शोले' में वीरू का उनका किरदार तो हिन्दी सिनेमा के इतिहास में अमर है. इसी प्रकार हास्य प्रधान फिल्मों में भी वो बड़े सफल रहे, उनकी हास्य प्रधान भूमिका वाली फिल्मों में 'प्रतिज्ञा ', 'नौकर बीवी का ', 'चुपके चुपके' आदि प्रमुख हैं.

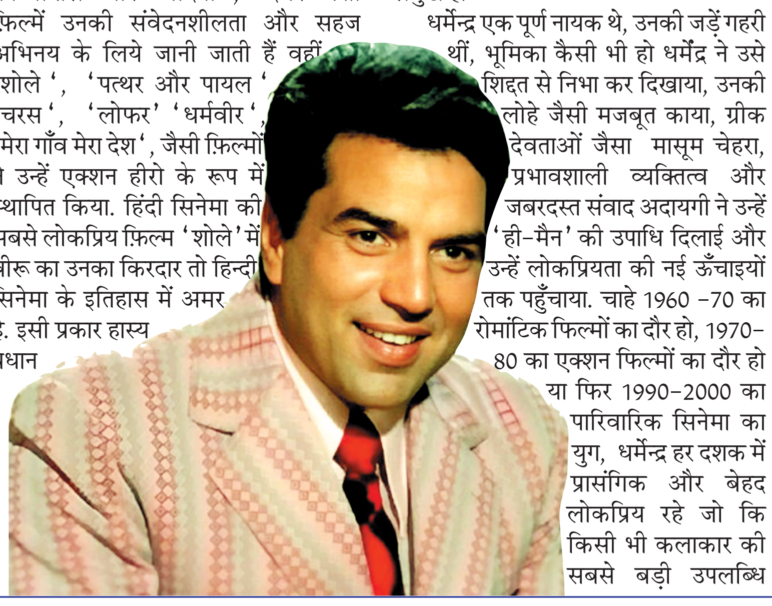

धर्मेन्द्र एक पूर्ण नायक थे, उनकी जड़ें गहरी थीं, भूमिका कैसी भी हो धर्मेंद्र ने उसे शिद्दत से निभा कर दिखाया, उनकी लोहे जैसी मजबूत काया, ग्रीक देवताओं जैसा मासूम चेहरा, प्रभावशाली व्यक्तित्व और जबरदस्त संवाद अदायगी ने उन्हें 'ही-मैन' की उपाधि दिलाई और उन्हें लोकप्रियता की नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया. चाहे 1960 -70 का रोमांटिक फिल्मों का दौर हो, 1970-80 का एक्शन फिल्मों का दौर हो या फिर 1990-2000 का पारिवारिक सिनेमा का युग, धर्मेन्द्र हर दशक में प्रासंगिक और बेहद लोकप्रिय रहे जो कि किसी भी कलाकार की सबसे बड़ी उपलब्धि होती है. फिल्म इंडस्ट्री में कई कलाकार आये और चले गये पर दर्शकों में धर्मेंद्र का क्रेज कभी कम नहीं हुआ.

उन्होंने लगभग 300 फिल्मों में काम किया, उनकी कुछ अन्य महत्वपूर्ण कामयाब फिल्मों में 'काजल', 'आये दिन बहार के', 'दिल ने फिर याद किया ', 'आया सावन झूम के ', 'समाधी ', 'चरस ', 'जीवनमृत्यु ', 'ललकार', 'जुगनू', 'ब्लैक मेल', 'फागुन, 'दोस्त' 'आज़ाद', 'दिल्लगी ', 'यादों की बारात ', 'शालीमार', 'बगावत', 'रजिया सुल्तान', 'क्रोधी', 'तहलका', 'अपने', आदि उल्लेखनीय हैं.

धर्मेन्द्र की जोड़ी कई अभिनेत्रियों के साथ लोकप्रिय रही, अपनी पीढ़ी की मीना कुमारी, नूतन, मुमताज़, वहिदा रहमान, आशा पारेख जैसी अभिनेत्रियों से लेकर नई पीढ़ी की अनीता राज, किमी काटकर और रति अग्निहोत्री तक इन सभी के साथ उन्होंने यादगार फ़िल्में दीं परंतु हेमा मालिनी के साथ उनकी जोड़ी परदे पर जैसे जादू बिखेर देती थी.हिंदी सिनेमा की इस सबसे हिट जोड़ी ने 20 से ज्यादा हिट फ़िल्में दीं, बाद में वास्तविक जीवन में भी वो एक दूसरे के जीवनसाथी बने. धर्मेन्द्र की सबसे बड़ी खूबी उनकी ज़मीन से जुड़ी सादगी थी .वे अत्यंत सफल होने के बाद भी खेती-बाड़ी से प्रेम करते थे और अपने संघर्ष के दिनों को कभी नहीं भूले. उनका घर नवोदित संघर्षरत कलाकारों के लिये पनाहगाह माना जाता था. उनका व्यक्तित्व विनम्र, भावुक और मिलनसार था, इन्ही वज़हों से वे भारतीय सिनेमा के एक प्रतिष्ठित, कालजयी और आदर्श सितारे कहलाये.

उन्हें फ़िल्मफ़ेयर लाइफ़टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड और भारत सरकार द्वारा पद्म भूषण दिया गया परंतु इस महान अभिनेता की उपलब्धियाँ सिर्फ पुरस्कारों तक सीमित नहीं हैं; दर्शकों के दिलों में आज भी वे पहले जैसी ही गहरी जगह बनाए हुए हैं. 24 नवंबर 2025 को इस महान अभिनेता का दु:खद निधन हो गया और जैसा कि देश के प्रधानमंत्री मोदी जी ने कहा, उनके निधन के साथ ही हिंदी फिल्मों के एक युग का भी अंत हो गया, मगर यक़ीनन हमारे दिलों में वो हमेशा हमेशा ज़िंदा रहेंगे. आज के लिये इतना ही, अगले सप्ताह फिर मुलाक़ात होगी तब तक धर्मेंद्र जी की जिंदादिल शख्सियत को समर्पित उन्ही की फ़िल्म 'दोस्त' का ये मोटिवेशल गीत सुनिए,

आ बता दें तुझे हम कैसे जिया जाता है
दिल पर सह के सितम का तीर भी
पहन के पाँव में जंज़ीर भी,
रक्स (नृत्य) किया जाता है
आ बता दें तुझे हम कैसे जिया जाता है.

कार्तिक पूरी फिल्म का ख्याल रखते हैं : अनन्या पांडे

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे का कहना है कि अभिनेता कार्तिक आर्यन सिर्फ अपना या अपने किरदार का नहीं,बल्कि पूरी फिल्म का ख़्याल रखते हैं. अनन्या पांडे ने अपनी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के को-स्टार कार्तिक आर्यन की प्रोफेशनलिज़्म और सेट पर उनकी गर्मजोशी की खुलकर तारीफ़ की, और बताया कि उनके साथ काम करना हमेशा क्यों सुखद अनुभव होता है. अनन्या ने कहा, 'मैं कार्तिक के आस-पास हमेशा बहुत कंफ़र्टेबल महसूस करती हूं. मुझे लगता है कि वह सेट पर मेरा बहुत ध्यान रखते हैं, क्योंकि मुझे पता होता है कि वह सिर्फ़ अपने लिए नहीं, बल्कि अपने किरदार, अपनी टीम और फिल्म के साथ सबके लिए सोचते हैं.'

अनन्या ने फिल्म के सेट पर बने मज़ेदार और सहयोगपूर्ण माहौल के बारे में भी बताया.

उन्होंने कहा, कार्तिक से सीखने को बहुत कुछ मिलता है. माहौल हमेशा मज़ाकिया और हल्का-फुल्का रहता है. ज़्यादा गंभीरता नहीं होती, और हर कोई अपनी राय बेझिझक दे सकता है. सच कहूँ तो सात साल बाद भी उनके साथ काम करके वही खुशी महसूस हुई, जो पति पत्नी और वो के दौरान हुई थी.' अनन्या की बातें कार्तिक की अपने काम, अपनी टीम और पूरी फिल्म के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं और यही वजह है कि 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' प्रशंसकों के बीच पहले से ही बेहद चर्चा का विषय बन गई है.

फिल्मों में सच्चाई ही असली जीत : यामी

'हक की सफलता पर फैंस और इंडस्ट्री को लिखा भावुक संदेश

हक की सफलता के बाद यामी गौतम ने अपनी भावनाओं को एक दिलकश नोट में साझा करते हुए एक बार फिर दर्शकों का दिल जीत लिया है. अभिनेत्री ने अपनी फिल्म को मिले सम्मान और स्नेह के लिए फैंस, फिल्म समीक्षकों और इंडस्ट्री से ईमानदारी के साथ आभार व्यक्त किया.

छोटे बजट और बिना बड़े प्रचार वाली फिल्मों के दौर में 'हक़' का चमकना यामी के लिए बेहद खास रहा है, जिसे उन्होंने बेहद विनम्रता से स्वीकार किया. यामी ने लिखा कि यह शुक्रवार उनके लिए खास है, इसलिए उन्होंने सोचा कि वह अपनी कृतज्ञता खुलकर व्यक्त करें. उन्होंने कहा कि आज का फिल्मी माहौल कई समीक्षाओं, मीम्स, ट्रेंड्स और बॉक्स ऑफिस की गणनाओं से घिरा हुआ है, जहां हर सोमवार, मंगलवार और बुधवार को फिल्मों की किस्मत तौली जाती है. लेकिन इस सबके बीच उनकी छोटी फिल्म 'हक़' ने दर्शकों से जो सम्मान पाया, वह उनके लिए एक बड़े पुरस्कार की तरह है.

उन्होंने हक़ को मिली सराहना को केवल सफलता नहीं, बल्कि एक आत्मविश्वास और प्रोत्साहन के रूप में देखा. अभिनेत्री ने कहा कि 'यामी का हक़' जैसा शब्द सुनकर उन्हें एहसास हुआ कि दर्शक उनके प्रयासों को कितनी सच्चाई से समझ और स्वीकार रहे हैं. हालांकि वे यह भी मानती हैं कि एक कलाकार के लिए असली मान्यता क्या होती है, यह कहना मुश्किल है लेकिन शायद इसी अनिश्चितता में कला की खूबसूरती छिपी है. यामी ने यह भी लिखा कि उनके पेशे की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह हमेशा उन्हें नई कहानियों की तलाश, नए प्रयोग और निडर होकर काम करने की प्रेरणा देता रहता है. उन्होंने उम्मीद जताई कि इंडस्ट्री का रुझान सिनेमा की ईमानदारी को प्रभावित नहीं करेगा और अच्छी कहानियाँ हमेशा जीतती रहेंगी. नोट के अंत में उन्होंने लिखा 'हम फिर मिलेंगे, किसी अगले शुक्रवार.' इस एक लाइन में यामी ने न सिर्फ अपना आभार व्यक्त किया, बल्कि दर्शकों के साथ आगे भी सच्चे अभिनय और सार्थक फिल्मों से मिलने का वादा भी किया.

घरवाली पेड़वाली' में तिकड़ी लाएगी हंसी का धमाका!

एण्डटीवी का आगामी सुपरनैचुरल कॉमेडी शो 'घरवाली पेड़वाली' दर्शकों को एक नए तरह की कॉमिक दुनिया से रूबरू कराने के लिए तैयार है. शो में तीन प्रमुख किरदार-जीतू (पारस अरोड़ा), सुरेश (बृज भूषण शुक्ला) और रमेश (हर्ष वशिष्ठ) - अपनी अनोखी केमिस्ट्री और मजेदार परिस्थितियों से घरों में हंसी का तूफान लाने वाले हैं. शो में सुरेश और रमेश, दोनों जीतू के पिता जैसे सरपरस्त हैं, और तीनों की यह तिकड़ी रोजमर्रा की स्थितियों से ऐसी मजेदार और अप्रत्याशित कहानियाँ रचती है, जो दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेंगे. अलग-अलग स्वभाव, तकरार, अपनापन और हल्की-फुलकी नोकझोंक ये सब मिलकर एक फ्रेश कॉमेडी लेकर आते हैं. पारस अरोड़ा ऊर्फ जीतू ने कहा, 'जीतू दो पिता जैसे किरदारों के बीच फंसा है, जो उसे बेहद प्यार करते हैं, लेकिन उसके जीवन में उलझन और हंगामा दोनों ही बढ़ा देते हैं! इस तिकड़ी की सबसे मजेदार बात उनकी नैचुरल केमिस्ट्री है. सुरेश सख्त लेकिन प्यारे पिता हैं, रमेश शांत और कूल अंकल, और जीतू मासूम लड़का है जो उनके लगातार झगड़े और नोक-झोंक के बीच फंसा रहता है. यह बंधन असली, गर्मजोशी भरा और बेहद मज़ेदार है. मुझे लगता है कि दर्शक इस परिवार के प्यार, हंगामे और मस्ती भरे अंदाज से आसानी से जुड़ पाएंगे. यह ट्रायो टीवी कॉमेडी में एक नया अंदाज लाने वाला है, और मैं दर्शकों को इसका आनंद उठाते देखने के लिए बेहद उत्साहित हूँ. 'ब्रज भूषण शुक्ला यानी सुरेश कहते हैं, हमेशा 'एयरप्लेन मोड' पर रहता हो 'सुरेश का किरदार ऐसा है जैसे रिलैक्स, डिस्कनेक्टेड और जिम्मेदारियों की चिंता कम. लेकिन जैसे ही वह रमेश और जीतू के साथ खड़ा होता है, सबसे मजेदार हालात बनते हैं. उनके व्यक्तित्व इतने अलग हैं कि साधारण बातचीत भी कॉमेडी में बदल जाती है. यही असली मज़ा है!

लक्ष्मी निवास में गशमीर महाजनी की एंट्री

ज़ी टीवी का नया फैमिली ड्रामा 'लक्ष्मी निवास' भारत के मिडिल क्लास संयुक्त परिवारों की रोजमर्रा की सच्चाइयों से रूबरू कराती एक दिल छू लेने वाली कहानी लेकर आ रहा है. चैनल के ब्रांड प्रॉमिस 'आपका अपना ज़ी टीवी' के साथ, यह शो उन सपनों, चुनौतियों और रिश्तों को सामने लाता है जो हर परिवार को जोड़े रखते हैं, खासकर अपना घर होने की वो आम ख्वाहिश जो हर भारतीय के दिल में बसती है. ये कहानी है लक्ष्मी और श्रीनिवास की, जो 35 साल एक किराए के घर में गुजार चुके हैं और दो सपने हमेशा दिल में संजोए हुए हैं अपना घर बनाना और अपनी बेटियों का भविष्य सुरक्षित करना. जैसे ही वे इस सपने की ओर बढ़ने लगते हैं, उनकी जिंदगी में कुछ ऐसे मोड़ आते हैं जो उनके रिश्ते, उनके भरोसे और उनके परिवार की नींव को परखने लगते हैं. इस शो में लक्ष्मी के रोल में मानसी जोशी रॉय और श्रीनिवास के रोल में राजेंद्र चावला के आने के बाद अब 'लक्ष्मी निवास' में पॉपुलर एक्टर गशमीर महाजनी की खास एंट्री हो रही है, जो आदित्य साहू का एक बेहद खास किरदार निभाने जा रहे हैं.

आमिर की जासूसी फिल्म 'हैप्पी पटेल' का ऐलान

बॉलीवुड स्टार और फिल्मकार आमिर खान ने अपनी नई जासूसी फिल्म 'हैप्पी पटेल' का एलान किया है, जिसमें वीर दास और मोना सिंह की मुख्य्य भूमिका होगी. आमिर खान प्रोडक्शंस ने अपनी जासूसी फिल्म हैप्पी पटेल की घोषणा की है. इस फिल्म में वीर दास और मोना सिंह लीड रोल्स में नजर आएंगे. जैसे इसका टाइटल मज़ेदार है, वैसे ही मेकर्स ने फिल्म का अनाउंसमेंट वीडियो और भी मज़ेदार अंदाज में रिलीज़ किया है, जिसमें आमिर खान और वीर दास दिखाई दे रहे हैं.

हैप्पी पटेल की घोषणा बिल्कुल हटके और बेहद मजेदार तरीके से की गई है. वीडियो में आमिर खान, वीर दास से पूछते नजर आते हैं कि आखिर वो फिल्म में एक्शन, रोमांस और यहां तक कि आइटम नंबर को किस अंदाज़ में दिखाने वाले हैं. आमिर को लगातार यह चिंता सताती दिखती है कि दर्शक इस सब पर कैसा रिस्पॉन्स देंगे, जबकि उसी समय वीडियो में दूसरे लोग फिल्म की जमकर तारीफ करते नजर आते हैं. उनकी बातचीत का यह मजेदार कंट्रास्ट पूरे अनाउंसमेंट को बेहद मनोरंजक बना देता है. इतना तो पक्का है कि एक बिल्कुल अलग तरह की सिनेमा आने वाली है.

आमिर खान प्रोडक्शंस हमेशा हटकर और अनोखी कहानियाँ बड़े ही सलीके से पेश करता आया है. लगान, तारे ज़मीन पर, दंगल और सीक्रेट सुपरस्टार जैसी यादगार फिल्मों के बाद, यह फिल्म भी यूनिक सिनेमा दिखाने की एक और कोशिश है. दिलचस्प बात ये है कि इस बार वो मशहूर स्टैंड-अप कॉमेडियन वीर दास के साथ काम कर रहे हैं, जो न सिर्फ अपनी कॉमेडी स्पेशल्स के साथ दुनिया भर में परफॉर्म कर चुके हैं, बल्कि गो गोवा गॉन, बदमाश कंपनी और दिल्ली बेली जैसी फिल्मों में भी काम कर चुके हैं. यह फिल्म वीर दास का आमिर खान प्रोडक्शंस के साथ दिल्ली बेली के बाद दूसरा कोलैबोरेशन है. आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी हैप्पी पटेल का निर्देशन वीर दास कर रहे हैं. यह फिल्म 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है.

43 की उम्र में दीया बनीं हुस्न की मलिका

बॉलीवुड की खूबसूरती और ग्लैमर की मिसाल दीया मिर्जा ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उम्र केवल एक संख्या है. 43 साल की उम्र में भी दीया ने अपने ट्रेडिशनल और ग्लैमरस अवतार से तहलका मचा दिया है.

उनके लेटेस्ट फोटोशूट में सफेद लहंगे में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस बस अपनी नजरें हटा ही नहीं पा रहे हैं. साल 2001 में 'रहना है तेरे दिल में' से बॉलीवुड डेब्यू करने वाली दीया ने कई फिल्मों में अपनी एक्टिंग और खूबसूरती का जादू बिखेरा है. 'भीड़', 'धक धक', 'थप्पड़' और 'संजू' जैसी फिल्मों में उनके किरदारों को दर्शकों ने खूब पसंद किया. दीया मिर्जा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपने फैंस के साथ अपने लुक्स और फैशन को साझा करती हैं. इस बार उन्होंने ट्रेडिशनल साड़ी की जगह सफेद लहंगा पहन कर ग्लैमरस अंदाज पेश किया. उनके लहंगे में बारीक और शानदार कढ़ाई का काम है और मैचिंग दुपट्टा उनके लुक को और भी खास बना रहा है. अपने ट्रेडिशनल लुक को पूरा करने के लिए दीया ने नेकलेस, इयररिंग्स और मांग टीका जैसे ज्वेलरी पीस पहने. यह कॉम्बिनेशन उन्हें एक रॉयल और अप्सरा जैसी खूबसूरती दे रहा है.

'इक्कीस' से बड़े पर्दे पर चमकेंगी सिमर भाटिया

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया फिल्म 'इक्कीस' के साथ अपने फ़िल्मी करियर की शुरुआत करने जा रही हैं. उनके डेब्यू पोस्टर के सामने आते ही सोशल मीडिया पर उत्सुकता बढ़ गई है. यह फिल्म कई मायनों में खास है, क्योंकि इसमें लीड रोल में मेगास्टार अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा दिखाई देंगे.

फिल्म के पोस्टर लॉन्च के बाद अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम पर सिमर के लिए बेहद भावुक संदेश साझा किया. अपने पोस्ट में अक्षय ने लिखा,

'तुम्हें एक नन्ही सी बच्ची की तरह गोद में लेने से लेकर आज तुम्हें फिल्मों की दुनिया में कदम रखते देखने तक— जिंदगी सच में फुल सर्कल की तरह लगती है. सिमर, मैंने तुम्हें एक शर्मीली सी बच्ची से आत्मविश्वासी युवा कलाकार बनते देखा है, जो कैमरे का सामना ऐसे करती है जैसे यह उसी के लिए बना हो.'

अक्षय ने आगे लिखा, 'सफर आसान नहीं है, लेकिन तुम उसी जोश, ईमानदारी और लगन के साथ आगे बढ़ोगी, जो हमारे भाटिया परिवार की पहचान है. हमारा फंडा सिंपल है— काम करो, दिल से करो, और फिर यूनिवर्स अपना जादू दिखाता है. मुझे तुम पर बहुत गर्व है बेटा. दुनिया आज भले तुम्हें पहली बार जानने जा रही हो, लेकिन मेरे लिए तुम हमेशा से एक स्टार हो. चमकती रहो. जय महादेव.

फिल्म धुरंधर का गाना 'ईजी-ईजी' हुआ रिलीज

बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह की आने वाली फिल्म धुरंधर का नया गाना 'ईजी-ईजी' रिलीज हो गया है. ग्लोबल आइकन दिलजीत दोसांझ, ब्रेकआउट रैप फिनॉम हनूमानकाइंड, और नेशनल अवॉर्ड विजेता म्यूज़िक डायरेक्टर शशवत सचदेव को साथ लाने वाला 'इजी इर्जी' इस सीज़न के म्यूज़िक साउंडस्केप को नए सिरे से परिभाषित करने के लिए तैयार है.

एक सोनिक पावरहाउस, यह ट्रैक दिलजीत की अनोखी पंजाबी शैली को हनूमानकाइंड की धारदार रैपिंग के साथ जोड़ता है, जिसे शशवत सचदेव के अत्याधुनिक प्रोडक्शन ने और भी उंचाई दी है. राज रंजोध और हनूमानकाइंड द्वारा लिखे गए प्रभावशाली बोलों के साथ, 'इजी इजी' एक एड्रेनालिन-भरी धुन है जो समकालीन भारतीय संगीत की सीमाओं को आगे बढ़ाती है. 'इजी इजी ' का म्यूज़िक वीडियो अब सारेगामा म्यूज़िक के यूट्यूब चैनल पर लाइव है, और इसका ऑडियो सभी प्रमुख प्लेटफॉर्म्स पर स्ट्रीम हो रहा है,जो दर्शकों को एक अविस्मरणीय दृश्य और संगीत अनुभव देने का वादा करता है. फिल्म धुरंधर में रणवीर सिंह के साथ अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर. माधवन और अर्जुन रामपाल की भी अहम भूमिका हैं.

यह हाई-ऑक्टेन एक्शन-थ्रिलर आदित्य धर द्वारा लिखित, निर्देशित और निर्मित है, और इसका निर्माण ज्योति देशपांडे और लोकेश धर ने किया है.